सत्य कथन की पहचान

निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए–

1. (क) पद्य में यथार्थ, वस्तुपरक और तथ्यात्मक वर्णन पाया जाता है,
   (ख) हिन्दी साहित्य की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण घटना पद्य का आविष्कार है,
   (ग) गद्य ज्ञान-वृद्धि का एक सफल साधन है,
   (घ) पद्य की भाषा गद्य की अपेक्षा अधिक स्पष्ट और व्यवस्थित होती है।
2. (क) खड़ीबोली का विकास ब्रजभाषा एवं राजस्थानी गद्य से हुआ,
   (ख) गद्य में स्वतन्त्र कल्पना की उड़ान होती है,
   (ग) पद्य में व्याकरण के नियमों की अवहेलना नहीं की जा सकती है,
   (घ) गद्य में वर्णन सूक्ष्म एवं संकेतात्मक होता है।
3. (क) 'चन्द छन्द बरनन की महिमा' के रचनाकार तुलसीदास हैं,
   (ख) 'सुखसागर' के रचनाकार मुंशी सदासुखलाल हैं,
   (ग) 'चौरासी वैष्णवन की वार्त्ता' के रचनाकार गोस्वामी विट्ठलनाथ हैं,
   (घ) 'शृंगार रस-मण्डन' गोकुलनाथ की रचना है।
4. (क) 'नासिकेतोपाख्यान' की भाषा में पश्चिमीपन अधिक है,
   (ख) 'ब्रह्म समाज' के प्रवर्तक राजा शिवप्रसाद सितारेहिन्द थे,
   (ग) लल्लूलाल की रचना 'रानी केतकी की कहानी' हास्य प्रधान है,
   (घ) स्वामी दयानन्द ने 'सत्यार्थ प्रकाश' की रचना हिन्दी में की थी।
5. (क) सदल मिश्र ने हिन्दी को आर्यभाषा के रूप में घोषित किया,
   (ख) भारतेन्दु के पूर्व हिन्दी गद्य का स्वरूप निश्चित नहीं था,
   (ग) 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई, सन् 1826 ई० में दिल्ली में प्रकाशित हुआ था,
   (घ) सर सैयद अहमद खाँ ने 'बंगदूत' पत्र द्वारा हिन्दी का समर्थन किया था।
6. (क) 'सरस्वती' पत्रिका के प्रथम सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल थे,
   (ख) महावीरप्रसाद द्विवेदी धर्मयुग के सम्पादक रहे,
   (ग) इण्डियन प्रेस, प्रयाग से सन् 1903 ई० में 'इन्दु' पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ हुआ,
   (घ) 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन हिन्दी साहित्य की महत्त्वपूर्ण घटना है।
7. (क) द्विवेदी युग का समय 1800-1822 ई० तक है,
   (ख) हिन्दी खड़ीबोली का आविर्भाव 19वीं शताब्दी के जागरणकाल में हुआ,
   (ग) 'रानी केतकी की कहानी' हिन्दी की प्रथम कहानी है,
   (घ) भारतेन्दु की रचनाएँ 'मानसरोवर' में प्रकाशित हुई हैं।
8. (क) द्विवेदी युग में प्रायः जासूसी उपन्यास लिखे गये,
   (ख) 'भाषा रहस्य' विनयमोहन शर्मा का निबन्ध है,
   (ग) 'हंस' पत्रिका के संस्थापक मुंशी प्रेमचन्द हैं,
   (घ) 'अशोक के फूल' वियोगी हरि का नाटक है।

9. (क) राउलवेल मैथिली-हिन्दी में रचित गद्य की पुस्तक है,
(ख) 'वर्णरत्नाकर' रोडा की तीसरी रचना है,
(ग) छायावादोत्तर-युग का कालक्रम सन् 1919 ई0 से 1938 ई0 तक है,
(घ) 'राउलवेल' एक शिलांकित कृति है जिसके रचयिता रोडा हैं।

10. (क) माखनलाल चतुर्वेदी भारतेन्दु युग के श्रेष्ठ निबन्धकार थे,
(ख) महावीरप्रसाद द्विवेदी सन् 1903 से 17 वर्षों तक 'सरस्वती' के सम्पादक रहे,
(ग) आचार्य चतुरसेन शास्त्री 'नागरी प्रचारिणी पत्रिका' के प्रथम सम्पादक थे,
(घ) प्रतापनारायण मिश्र ने 'हिन्दी प्रदीप' पत्रिका का सम्पादन किया।

11. (क) किशोरीलाल गोस्वामी कृत 'इन्दुमती' हिन्दी की पहली कहानी है,
(ख) हिन्दी की प्रथम कहानी इंशा अल्ला कृत 'रानी केतकी की कहानी' है,
(ग) बाबू बालमुकुन्द गुप्त भारतेन्दु युग के श्रेष्ठ उपन्यासकार थे,
(घ) 'एकलव्य' डॉ0 रामकुमार वर्मा का श्रेष्ठ उपन्यास है।

12. (क) भारतेन्दु युग का कालक्रम 13वीं शताब्दी से 1868 ई0 तक है,
(ख) द्विवेदी युग का कालक्रम सन् 1900 ई0 से 1922 ई0 तक है,
(ग) शुक्लोत्तर युग का कालक्रम सन् 1919 ई0 से 1938 ई0 तक है,
(घ) स्वातन्त्र्योत्तर-युग का कालक्रम सन् 1938 ई0 से 1947 ई0 तक है।

13. (क) महादेवी वर्मा का 'गिल्लू' रेखाचित्र विधा की रचना है,
(ख) रेखाचित्र विधा की रचना 'अंजो दीदी' के लेखक चन्द्रमौलि बख्शी हैं,
(ग) श्रीराम शर्मा का एक संग्रह 'बोलती प्रतिमा' रिपोर्ताज विधा का है,
(घ) 'मौत के खिलाफ जिन्दगी की लड़ाई' शिवदानसिंह चौहान का रेखाचित्र संग्रह है।

14. (क) हिन्दी में एकांकी नाटकों का विकास भारतेन्दु युग में हुआ,
(ख) आधुनिक आलोचना का प्रारम्भ द्विवेदी युग से माना जाता है,
(ग) 'स्कन्दगुप्त' जयशंकर प्रसाद का प्रभावशाली ऐतिहासिक नाटक है,
(घ) बनारसीलाल जैन कृत 'अर्द्धकथा' में औरंगजेब काल की परिस्थितियों का चित्रण है।

15. (क) 'नीड़ का निर्माण फिर' वियोगी हरि की आत्मकथा है,
(ख) शिवप्रसाद गुप्त लिखित 'पृथ्वी-प्रदक्षिणा' रिपोर्ताज है,
(ग) 'मेरी तिब्बत यात्रा' राहुल सांकृत्यायन कृत यात्रा-साहित्य है,
(घ) रांगेय राघव कृत 'अदम्य जीवन' यात्रा-साहित्य है।

16. (क) 'निस्सहाय हिन्दू' राधाकृष्णदास का उपन्यास है,
(ख) मुंशी प्रेमचन्द का सामाजिक उपन्यास 'कंकाल' है,
(ग) 'सौ अजान एक सुजान' बालमुकुन्द गुप्त का उपन्यास है,
(घ) भूपेन्द्र अबोध के उपन्यास 'तितली' का प्रकाशन पटना में हुआ था।

17. (क) एकांकियों के विकास का श्रेष्ठ काल भारतेन्दु-युग रहा है,
(ख) द्विवेदी-युग में नाटकों का सर्वाधिक विकास हुआ,
(ग) मोहन राकेश भारतेन्दु-युग के श्रेष्ठ एकांकीकार थे,
(घ) श्रेष्ठ नाटककारों ने ही श्रेष्ठ एकांकियों की रचना की है।

18. (क) नन्ददुलारे वाजपेयी भारतेन्दु-युग के निबन्धकार हैं,
(ख) राहुल सांकृत्यायन द्विवेदी-युग के गद्यकार हैं,
(ग) भगवतीप्रसाद वाजपेयी छायावादोत्तर-काल के निबन्धकार हैं,
(घ) पूर्णसिंह द्विवेदी-युग के उपन्यासकार हैं।

19. (क) हिन्दी गद्य-काव्य का विकास शुक्ल-युग में हुआ,
(ख) डॉ0 विष्णुकान्त शास्त्री श्रेष्ठ गद्य-काव्य लेखक हैं,
(ग) गद्य-काव्य मुख्यतः भावात्मक निबन्ध हैं,
(घ) गद्य और पद्य के बीच की विधा गद्य-काव्य है।

20. (क) महादेवी वर्मा लिखित 'लन्दन यात्रा' रिपोर्ताज का प्रथम ग्रन्थ है,
(ख) रिपोर्ताज हिन्दी की सर्वथा नवीन विधा है,
(ग) वैयक्तिकता और एकतथ्यता रिपोर्ताज में अधिक होती है,
(घ) वृन्दावनलाल वर्मा मूलतः रिपोर्ताज लेखक हैं।

●●●